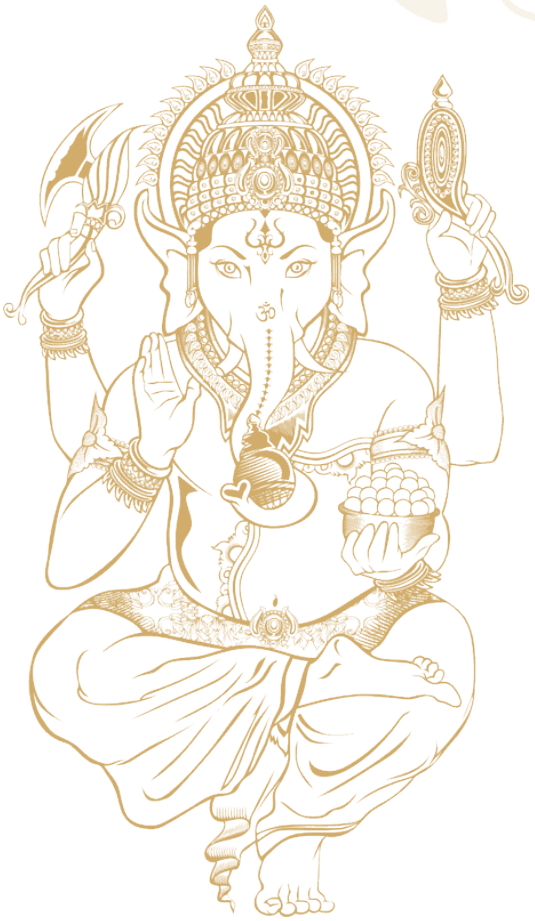

Deepak

Vaishali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121761004

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/05/2000	जन्म तिथि	27/09/2002
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 08:15:00	जन्म समय	07:15:00 घंटे
घटी 07:07:06	जन्म समय(घटी)	02:39:50 घटी
India	देश	India
Noida	स्थान	Delhi
28:40:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:26:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:16	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:09	सूर्योदय	06:11:55
19:11:00	सूर्यास्त	18:12:05
23:51:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:26

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 0वर्ष 10मा 4दि	21:35:40	मिथु	लग्न	कन्या	22:56:43	सूर्य 0वर्ष 1मा 5दि
शनि	12:15:51	वृष	सूर्य	कन्या	09:53:52	राहु
01/04/2017	19:22:25	कुंभ	चंद्र	वृष	09:46:43	02/11/2019
31/03/2036	22:18:18	वृष	मंगल	सिंह	24:13:07	02/11/2037
शनि 03/04/2020	01:12:17	मिथु	बुध व	कन्या	11:21:38	राहु 16/07/2022
बुध 13/12/2022	28:29:59	मेष	गुरु	कर्क	17:33:53	गुरु 08/12/2024
केतु 21/01/2024	08:06:48	वृष	शुक्र	तुला	18:25:05	शनि 15/10/2027
शुक्र 23/03/2027	28:40:01	मेष	शनि	मिथु	05:00:04	बुध 04/05/2030
सूर्य 04/03/2028	01:59:25	कर्क व	राहु व	वृष	17:02:11	केतु 22/05/2031
चन्द्र 03/10/2029	01:59:25	मक व	केतु व	वृश्चि	17:02:11	शुक्र 22/05/2034
मंगल 12/11/2030	26:57:54	मक व	हर्ष व	कुंभ	01:35:40	सूर्य 16/04/2035
राहु 18/09/2033	12:37:21	मक व	नेप व	मक	14:27:14	चन्द्र 14/10/2036
गुरु 31/03/2036	17:50:06	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	21:16:57	मंगल 02/11/2037

लग्न-चलित

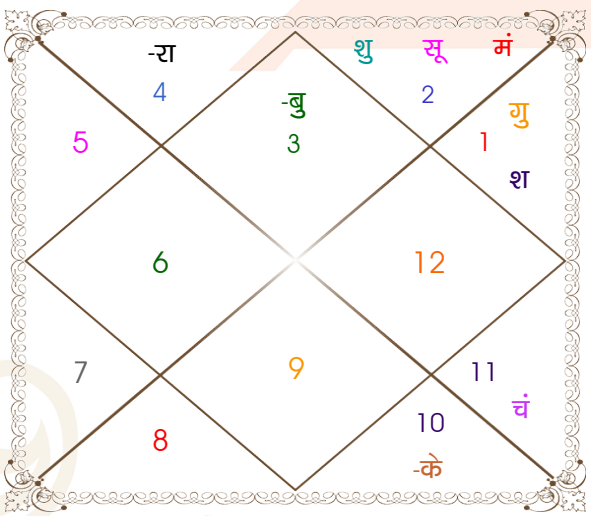

लग्न-चलित

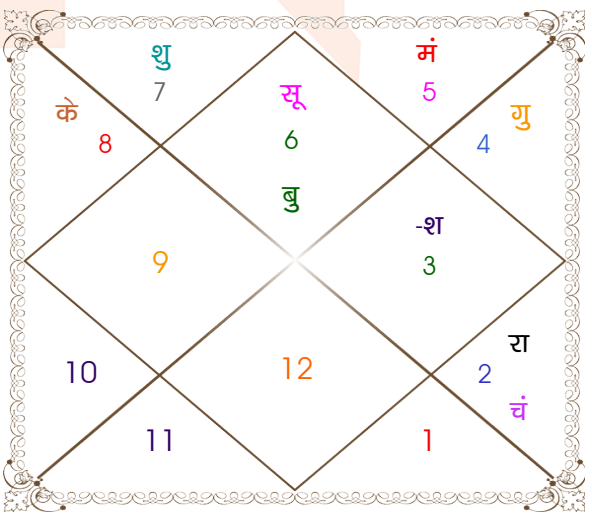

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

क्ममचां का वर्ग मेष है तथा टंपींसप का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्ममचां और टंपींसप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

क्ममचां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल क्ममचां कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

टंपींसप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि क्ममचां कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्ममचां तथा टंर्पीसप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।